वार्षिक रिपोर्ट | Annual Report 2017-18

जीवन स्तर को बदलते हुए...
भारत को नई बुलंदियों पर ले जा रहा है !

Transforming lives...
Taking India to new heights !

இந்தியன் வங்கி
इंडियन बैंक
Indian Bank

உங்கள் வங்கி • आपका अपना बैंक • YOUR OWN BANK

इंडियन बैंक ने आईटी पहल के अंतर्गत संगठन में पारदर्शिता एवं सतर्कता जागरूकता पहल में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दो पुरस्कार प्राप्त किए । दिल्ली में आयोजित समारोह के दौरान श्री किशोर खरात, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इंडियन बैंक को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू के करकमलों से पुरस्कार प्रदान किया गया।

Indian Bank bagged two awards for its significant contribution in IT initiative for transparency in the organization and Outstanding Contribution – Vigilance Awareness Initiative. Shri M Venkaiah Naidu, Hon'ble Vice President of India presented the award to Shri Kishor Kharat, MD&CEO, Indian Bank in a function held at New Delhi.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सर्वाधिक स्वयं सहायता समूहों को क्रेडिट लिंक्ड करने वाले दो बैंक में से एक होने के कारण श्री किशोर खरात, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इंडियन बैंक को माननीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली के करकमलों से एसएचजी पुरस्कार प्रदान किया गया । यह पुरस्कार नई दिल्ली में नाबार्ड के 36वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान प्रदान किया गया । श्रीमती अंजुली चिब दुग्गल, सचिव, वित्तीय सेवाएँ विभाग एवं डॉ. एच के भनवाला, सीएमडी, नाबार्ड भी इस अवसर पर उपस्थित थे ।

Shri. Arun Jaitley, Hon'ble Union Minister for Finance presented the award to Shri. Kishor Kharat, MD & CEO, Indian Bank for being one among the two Public Sector Banks which has credit linked the largest number of SHGs. This award was presented during the 36th Foundation Day celebration of NABARD at New Delhi. Smt. Anjuly Chib Duggal, Secretary, Department of Financial Services, Dr. H.K.Bhanwala, CMD, NABARD were also present during the occasion.

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

टी. सी. वेंकट सुब्रमणियन
गैर–कार्यपालक अध्यक्ष
T C VENKAT SUBRAMANIAN
NON-EXECUTIVE CHAIRMAN

किशोर खरात
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
KISHOR KHARAT
MANAGING DIRECTOR & CEO

ए एस राजीव
कार्यपालक निदेशक
A S RAJEEV
EXECUTIVE DIRECTOR

एम. के. भट्टाचार्य
कार्यपालक निदेशक
M K BHATTACHARYA
EXECUTIVE DIRECTOR

अमित अग्रवाल
AMIT AGRAWAL

जे के दाश
J K DASH

विजय कुमार गोयल
VIJAY KUMAR GOEL

पद्मनाभन विट्टल दास
PADMANABAN VITTAL DASS

सलील कुमार झा
SALIL KUMAR JHA

विनोद कुमार नागर
VINOD KUMAR NAGAR

भरत कृष्ण शंकर
BHARATH KRISHNA SANKAR

महाप्रबन्धक / GENERAL MANAGERS

एस के परिदा
S K Parida

उदय भास्कर रेड्डी के
Udaya Bhaskara Reddy K

नागराजन एम
Nagarajan M

चेळियन एस
Chezhian S

मणिमारन आर
Manimaran R

प्रशांत वी ए
Prasanth V A

लक्ष्मीपति रेड्डी जी
Lakshmipathy Reddy G

गोपाल वी
Gopal V

वेंकटेस पेरुमाल पी
Venkatesa Perumal P

आजाद सिंह गंडस
Azad Singh Gandas

कार्तिकेयन एम
Karthikeyan M

चंद्रा रेड्डी के
Chandra Reddy K

रामू ए
Ramu A

रवि एस
Ravi S

बालसुब्रमणियन आर
Balasubramanian R

रेंगराजन एस
Rengarajan S

देवराज डी
Devaraj D

शेषाद्री टी एस
Seshadri T S

कृष्णन पी ए
Krishnan P A

संदीप कुमार
Sandeep Kumar

कॉर्पोरेट कार्यालय : 254 - 260 अव्वै षण्मुगम सालै Corporate Office : 254-260, Avvai Shanmugam Salai चेन्नै Chennai - 600 014

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2017-18

निष्पादन की प्रमुख बातें PERFORMANCE HIGHLIGHTS

(₹ करोड़ों में) (₹ in crore)

विवरण Particulars	31-03-14	31-03-15	31-03-16	31-03-17	31-03-18
कुल व्यापार Total Business	286634	298057	310918	314654	371020
जमाएं (ग्लोबल) Deposits (Global)	162275	169225	178286	182509	208294
अग्रिम (ग्लोबल) Advances (Global)	124359	128832	132632	132145	162726
निवेश (सकल) Investments (Gross)	47635	46804	53418	67956	71232
ब्याज आय Interest Income	15249	15853	16244	16040	17113
गैर ब्याज आय Non Interest Income	1372	1363	1781	2211	2406
कुल आय Total Income	16621	17216	18025	18251	19519
ब्याज व्यय Interest Expenses	10889	11391	11798	10894	10850
परिचालनगत व्यय Operating Expenses	2831	2811	3195	3356	3668
कुल व्यय Total Expenditure	13720	14202	14993	14250	14518
परिचालनगत लाभ Operating Profit	2901	3014	3032	4001	5001
निवल लाभ Net Profit	1159	1005	711	1406	1259
जमाओं की लागत (%) Cost of Deposits (%)	7.15	7.10	6.76	6.03	5.40
अग्रिमों पर प्रतिफल (%) Yield on Advances (%)	10.38	10.19	9.63	9.17	8.50
निवल ब्याज मार्जिन (%)Net Interest Margin (%)	2.60	2.50	2.33	2.59	2.90
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (%) Return on Average Assets (%)	0.67	0.54	0.36	0.67	0.53
ईक्विटी शेयर पूंजी Equity Share Capital	465	480	480	480	480
रिज़र्व एवं अधिशेष (पुनर्मूल्यन रिज़र्व को छोड़कर) Reserves & Surplus (excluding Revaluation Reserve)	11071	12078	12998	13981	15347
निवल संपत्ति Net Worth	11536	12558	13478	14461	15827
सकल एनपीए (%) Gross NPA (%)	3.67	4.40	6.66	7.47	7.37
निवल एनपीए (%) Net NPA (%)	2.26	2.50	4.20	4.39	3.81
पूंजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio					
- बेसल II - Basel II	13.10	13.24	13.67	-	
- बेसल III - Basel III	12.64	12.86	13.20	13.64	12.55
प्रति शेयर अर्जन (A) Earnings Per Share (A)	26.07	21.62	14.81	29.27	26.21
प्रति शेयर बही मूल्य (A) Book Value per Share (A)	248.16	261.46	280.63	301.10	329.53
प्रति ईक्विटी शेयर लाभांश (A) Dividend per Equity Share (A)	4.70	4.20	1.50	6.00	6.00*$$
शाखाओं की संख्या (नंबर) No. of branches (Nos.)	2253	2412	2565	2682	2823
कर्मचारियों की संख्या (नंबर) No. of employees (Nos.)	19429	20294	20140	20924	19843
प्रति कर्मचारी कारोबार (A लाखों में) Business per employee (A in lacs)	1453	1443	1531	1488	1856

* प्रस्तावित Proposed.

$$ The Board of Directors vide their resolution dtd June 28, 2018 annulled the recommendation of dividend and withdrew the agenda from the Annual General Meeting.

लेखा परीक्षक AUDITORS

प्रकाश चंद्र जैन एण्ड कंपनी
PRAKASH CHANDRA JAIN & CO

गांधी मिनोचा एण्ड कंपनी
GANDHI MINOCHA & CO

पाम्स एण्ड एसोसियेट्स
PAMS & ASSOCIATES

पी एस सुब्रमणिय अय्यर एण्ड कंपनी
P S SUBRAMANIA IYER & CO

एम थामस एण्ड कंपनी
M THOMAS & CO

कॉर्पोरेट कार्यालय : 254-260, अव्वै षण्मुगम सालै
Corporate Office : 254-260, Avvai Shanumugam Salai
चेन्नै Chennai - 600 014

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2017-18

विषयवस्तु CONTENTS

	पृष्ठ सं.		Page No.
अध्यक्ष का संदेश	1	Chairman's Message	3
प्रनि एवं मुकाअ का संदेश	5	MD & CEO's Message	9
निदेशकों की रिपोर्ट	14	Directors' Report	15
प्रबन्धन विचार विमर्श एवं विश्लेषण	20	Management Discussion and Analysis	21
कॉर्पोरेट अभिशासन पर रिपोर्ट	110	Report on Corporate Governance	111
कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	148	Auditors' Certificate on Corporate Governance	149
वित्तीय विवरण – इंडियन बैंक		**Financial Statements – Indian Bank**	
● तुलन पत्र, लाभ एवं हानि लेखा और अनुसूचियाँ	152	● Balance Sheet, Profit and Loss Account and Schedules	152
● मुख्य लेखाकरण नीतियां	162	● Significant Accounting Policies	163
● लेखों पर टिप्पणियां	172	● Notes on Accounts	173
● लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	232	● Auditors' Report	233
समेकित वित्तीय विवरण		**Consolidated Financial Statements**	
● तुलन पत्र, लाभ एवं हानि लेखा और अनुसूचियाँ	236	● Balance Sheet, Profit and Loss Account and Schedules	236
● मुख्य लेखाकरण नीतियां	244	● Significant Accounting Policies	245
● लेखों पर टिप्पणियां	258	● Notes on Accounts	259
● लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	284	● Auditors' Report	285
अतिरिक्त प्रकटीकरण	286	Additional Disclosures	287

इंडियन बैंक
निवेशक सेवाएं कक्ष
संख्या. 254-260, अव्वै षण्मुगम सालै
रायपेट्टा
चेन्नै – 600 014
दूरभाष सं 044 28134076; Fax No.044 28134076
ई–मेल : investors@indianbank.co.in

Indian Bank
Investor Services Cell
No.254-260, Avvai Shanmugam Salai
Royapettah
Chennai - 600 014
Tel No. 044 28134076; Fax No. 044 28134076
E – Mail : investors@indianbank.co.in

शेयर अंतरण एजेंट
केमियो कॉर्पोरेट सर्विसेज़ लिमिटेड
यूनिटः : इंडियन बैंक
सुब्रमणियन बिल्डिंग, 1, क्लब हाउस रोड
चेन्नै – 600 002
दूरभाष सं. 044 28460718; फैक्स सं. 044 28460129
ई–मेल : investor@cameoindia.com

Share Transfer Agent
Cameo Corporate Services Limited
Unit : Indian Bank
Subramanian Building, 1, Club House Road
Chennai - 600 002
Tel No. 044 28460718; Fax No. 044 28460129
E – Mail : investor@cameoindia.com

अध्यक्ष का संदेश

श्री टी सी वेंकटसुब्रमणियन
गैर–कार्यपालक अध्यक्ष

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे निदेशक मंडल की ओर से आपके समक्ष वित्तीय वर्ष 2017–18 में बैंक के निष्पादन की मुख्य बातों को पेश करने में अत्यन्त हर्ष हो रहा है।

आपके बैंक द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों तथा की गई पहल के विवरण, इसके साथ संलग्न इस वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है।

वर्ष 2017–18 के दौरान की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और बैंकिंग उद्योग में हो रहे मूलभूत परिवर्तनों के परिदृश्य में, मैं हमारे मूल्यवान ग्राहकों के प्रति, जिन्होंने बैंक पर अपना दृढ़ विश्वास कायम रखा, आभार व्यक्त करता हूँ। मुझे यह रिपोर्ट करने में अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि बैंक विगत वर्ष के दौरान लाभ कमाने वाले कुछेक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एक रहा है और विभिन्न मापदण्डों में लगातार अपने समकक्ष के बैंकों से बेहतर निष्पादन कर रहा है। बैंक ने जमाएँ और अग्रिम, दोनों में अपना बाजार शेयर बढ़ा दिया है। देश में सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बनने की हमारी यात्रा में आपके सतत समर्थन के लिए मैं पुनः आभार प्रकट करता हूँ।

आर्थिक परिदृश्य – वैश्विक

वैश्विक अर्थव्यवस्था में 2010 से व्यापक सुधार हो रहा है। 2017 के दौरान लगभग 75 प्रतिशत देशों की विकास दरों में सुधार दिखायी दिया, जोकि 2010 से सर्वाधिक शेयर है। आईएमएफ के हाल ही के विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्लयूईओ) में दर्शाया गया है कि वैश्विक जीडीपी के विकास में वर्ष 2016 के 3.2 प्रतिशत की तुलना में 2017 के दौरान 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2017 में पायी गयी वृद्धि की प्रवृत्ति, 2018 और 2019 के दौरान भी जारी रहने की प्रत्याशा की गई है तथा दोनों वर्षों के लिए वैश्विक वृद्धि की दर को 3.9 प्रतिशत के रूप में बढ़ाया गया है (पिछले पूर्वानुमानों की तुलना में 0.2 प्रतिशत प्वाइंट उच्चतर तुलनात्मक आंकडे)।

युनाइटेड स्टेट्स के लिए वृद्धि के पूर्वानुमान को संशोधित किया गया है तथा 2017 में प्रत्याशित कार्यकलाप से अधिक एवं सुदृढ कार्यकलापों की प्रत्याशा के साथ प्रक्षेपित बाह्य मांग अधिक होने का अनुमान किया गया है और कर सुधार में, खासकर कॉर्पोरेट करों को घटाने और निवेश के लिए उठाये गये पूर्ण खर्च हेतु अस्थायी अनुज्ञा दिये जाने के कारण व्यापक आर्थिक प्रभाव पडेंगे। कई यूरो क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर, खासकर जर्मनी, इटली और नेदरलैण्ड्स की वृद्धि बढ गयी है जिससे देशी मांग में सुदृढ बदलाव एवं उच्चतर बाह्य मांग प्रतिबिंबित की गई हैं। अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के लिए वर्ष 2018 और 2019 हेतु वृद्धि के पूर्वानुमान भी बढाये गये हैं, जोकि विशेष रूप से उन्नत एशियाई अर्थव्यवस्थाएं, जो वैश्विक व्यापार और निवेश के आउटलुक के प्रति संवेदनशील हैं, में सुदृढ वृद्धि को प्रतिबिंबित करती है। यूएसए और चीन द्वारा अपनायी गयी संरक्षणात्मक नीति तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ते कच्चा तेल की कीमतें, भारत सहित कई देशों के विकास के पूर्वानुमान में मुख्य चुनौती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरक्षण के संबंध में पुनः डर, उसकी प्रतिक्रियाएं और ट्रेड से संबंधित झगडों से मुख्य चुनौतियाँ उठती हैं जिसमें भारत सहित उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं (ईएमई), जो खुलकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भाग लेते हैं और अपने विकास की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए विदेशी पूँजी अंतर्प्रवाह पर भरोसा करते हैं, को प्रभावित करता है।

आर्थिक परिदृश्य – देशी

जीएसटी का प्रादुर्भाव, बैंकों के गैर– निष्पादक आस्तियों के कारण होनेवाली समस्याओं के समाधान की दिशा में लिये जानेवाले महत्वपूर्ण कदम, एफडीआई को और अधिक उदार बनाने आदि के कारण सुधार की गति को सुदृढ बनाया गया है। वर्ल्ड बैंक की 'ईस ऑफ डूइंग बिजिनेस रिपोर्ट (ईओडीबी), 2018 में तीस स्थान आगे आकर भारत ने पहली बार सर्वोच्च 100 में स्थान प्राप्त कर लिया। व्यापक सूचकांकों में सरकार के सुधारात्मक कदम इन रैंकिंग से प्रदर्शित होता है।

केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय द्वारा विमोचन किये गये हाल ही के वार्षिक राष्ट्रीय आय, 2017–18 के अनंतिम अनुमान के अनुसार, 2017–18 के लिए जीडीपी (स्थिर मूल्य) में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि होने का आकलन किया गया है जबकि 2016–17 में वृद्धि की दर 7.1 प्रतिशत थी।

अगले राष्ट्रीय चुनाव तक लागू रहने वाली आर्थिक नीति, 2018–19 की संभावनाओं को निर्धारित करेगी। आगामी वर्ष में मेक्रो इकनॉमिक स्थिरता को नियंत्रित करने और अब जारी सुधारात्मक कदमों को सुदृढ बनाने, दबावग्रस्त आस्तियों एवं पुनः पूँजीकरण की प्रक्रिया को निपटाने तथा कच्चे तेल के बढ़ते मूल्यों के प्रभाव को मन्द करना ही मुख्य तत्व रहेंगे, जो आगामी वर्ष के दौरान आर्थिक विकास के आयाम को निर्धारित करेंगे।

बैंकिंग क्षेत्र का निष्पादन :

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के तुलन पत्रों में बढते एनपीए खातों के कारण इस वर्ष के दौरान इंडियन बैंकिंग उद्योग को चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरना पडा। ट्विन तुलन पत्र (टीबीएस) चुनौतियों का समाधान करने के लिए निर्णयात्मक कार्रवाई की गयी। नये भारतीय दिवालियापन कोड (आईबीसी) ने एक ऐसा समाधान ढाँचा प्रदान किया है जो कॉर्पोरेटों को अपने तुलन पत्रों को स्वच्छ बनाने और ऋणों को घटाने में सहायक सिद्ध होंगे।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के तुलन पत्रों को सुदृढ़ बनाने के लिए भारत सरकार ने बडी मात्रा के पुनःपूँजीकरण पैकेज की घोषणा की। इन्सोल्वेन्सी एण्ड बैंकरप्ट्सी कोड (आईबीसी) के अन्तर्गत बडे तनावग्रस्त उधारकर्ताओं को समाधान के लिए संदर्भित किया जाता है। इससे अपेक्षा की जाती है कि ऋण के प्रवाह में आगे बढोत्तरी होगी और नये निवेश के लिए माँग सृजित की जाएगी।

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान अर्थव्यवस्था के विकास की मन्द गति और निम्न कैपेक्स मांग के कारण आस्ति गुणवत्ता के दबाव अधिक रहे।

आपका बैंक एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है, जिसको पुनःपूँजीकरण प्रदान नहीं किया गया और भारत के माननीय वित मंत्री द्वारा सुदृढ सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक कहा गया।

बैंक अपने अग्रिमों में बढोत्तरी लाने और उसके फलस्वरूप जमाओं और अग्रिमों, दोनों में अपने बाजार शेयर को बढाने में सक्षम रहा।

गृह ऋण, एमएसएमई आदि की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विशेषीकृत शाखाएँ खोली गयीं ताकि घटायी गयी टर्नअराउण्ड समय के साथ पूर्ण समाधन हेतु केन्द्रित ध्यान दिया जा सके।

बैंक, प्राथमिकता क्षेत्र को ऋणद के प्रत्येक संवर्ग में, अर्थात प्राथमिकता क्षेत्रक अग्रिमों के अंतर्गत 47.08 प्रतिशत का स्तर (अनिवार्य 40 प्रतिशत), कृषि के अंतर्गत 20.91 (18 प्रतिशत), कमजोर वर्गों को अग्रिमों में 12.58 प्रतिशत (10 प्रतिशत) और एमएसएमई के अंतर्गत माइक्रो उद्यमों को ऋणद में 9.30 प्रतिशत (7 प्रतिशत) निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर सका।

बैंक के कारोबार एवं वित्तीय उपलब्धियाँ:

इस परिदृश्य में मैं प्रमुख क्षेत्रों में बैंक द्वारा किये गये निष्पादन की मुख्य बातों का अवलोकन आपको प्रदान करना चाहता हूँ।

- 31 मार्च, 2018 को बैंक के कारोबार में 17.91 की वृद्धि से यह 3,71,020 करोड़ रुपए रहा। जमाओं में जबकि 25,785 करोड़ रुपए या 14.13 प्रतिशत की वृद्धि से यह 2,08,294 करोड़ रुपए हुई, अग्रिमों में 23.14 प्रतिशत की वृद्धि से यह 1,62,726 करोड़ रुपए रहा।
- वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए बैंक का परिचालनगत लाभ 5000.99 करोड़ रुपए रहा जबकि निवल लाभ 1258.99 करोड़ रुपए रहा।
- 31 मार्च, 2018 को बैंक का नेट वर्थ बढकर 15826.98 करोड़ रुपए रहा।
- वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए प्रति शेयर अर्जन और प्रति शेयर बही मूल्य क्रमशः 26.21 रुपए रहे। वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए ईक्विटी पर प्रतिलाभ 8.27 प्रतिशत रहा।
- 31 मार्च, 2018 को बेसल ।।। के अधीन बैंक की वित्तीय स्थिरता, जोकि उसके सीआरएआर (जोखिम भारित आस्तियों के तुलना में पूंजी अनुपात) में प्रतिबिंबित है, 12.55 प्रतिशत पर सुदृढ रहा।

भविष्य की ओर :

भारिबैंक के वार्षिक नीति विवरण के अनुसार 2018–19 में आर्थिक क्रियाकलापों की गति में तेजी आने की अपेक्षा की जा रही हैं क्योंकि उनको अनुकूल देशी एवं वैश्विक वातावरण से लाभ मिल रहा है।

जीएसटी के कार्यान्वयन से संबंधित प्रारंभिक कठिनाइयाँ कम हो रही हैं और हाल ही की अवधि में ऋण की प्राप्तियां बेहतर हो गई हैं और यह व्यापक बन रहा है, जोकि निर्माण क्षेत्र और नयी निवेश कार्यकलापों के लिए हितकारक है।

जीएसटी को नियमित बनाने, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनः पूँजीकरण और इन्सॉल्वेन्सी और बैंकरप्ट्सी कोड (आईबीसी) के अंतर्गत तनावग्रस्त आस्तियों के समाधान से कारोबार एवं निवेश के माहौल में सुधार होने की अपेक्षा की जाती है।

भारत सरकार, ग्रामीण एवं मूलभूत संरचनागत क्षेत्रों के विकास को महत्व दे रही है, अतः ग्रामीण क्षेत्रों में मांग बढने और निजी निवेश में बढोत्तरी होने की प्रत्याशा की जाती है।

आभारोक्तियाँ :

मैं अपने मूल्यवान ग्राहकों से प्राप्त अनवरत समर्थन और मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिसके बिना उत्कृष्टता की हमारी अनवरत खोज और बैंक ने जो परिणाम हासिल किये हैं, संभव नहीं हुआ होगा। मैं सभी स्टेक धारकों के समर्थन के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ और उनके सतत सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। मैं सभी शेयरधारकों को आपके बैंक पर आपके निरन्तर विश्वास के लिए पुनः आभार व्यक्त करना चाहता हूँ।

इस अवसर पर मैं बैंक के पूरे कार्यबल के निष्ठावान एवं सराहनीय प्रयासों के लिए, जो चुनौतीपूर्ण बाहरी माहौल में, जिसमें आपके बैंक ने काम किया, उत्तम रहा है, अपने हार्दिक प्रशंसा व्यक्त करना चाहता हूँ।

जैसे ही आपका बैंक गूड से ग्रेट बनने की यात्रा में आगे जा रहा है, मैं आप सबके समर्थन एवं संरक्षण की अपेक्षा करता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ

आपका

टी सी वेंकट सुब्रमणियन
गैर–कार्यपालक अध्यक्ष

Shri. T C Venkat Subramanian
Non-Executive Chairman

Chairman's Message

Dear Shareholders,

On behalf of the Board of Directors, it gives me immense pleasure to place before you the highlights of your Bank's performance during the Financial Year 2017-18.

Details of the achievements and initiatives taken by your Bank are provided in the enclosed Annual Report for the year.

Given the challenging circumstances during 2017-18 and the Banking industry undergoing a radical transformation, I am grateful to our valued customers who have continued to repose their trust in us. I am very happy to report that, your Bank has emerged as one of the very few profitable Public Sector Banks in the year gone by and has been continuously performing better than its peers in various parameters and has improved its market share in both the deposits and Advances. I once again acknowledge your continued support in our journey towards being the best Public Sector Bank in the country.

Economic Overview – Global

Global economy is experiencing a most broad-based recovery since 2010. In 2017, roughly three-quarters of countries experienced improvements in their growth rates, the highest share since 2010. The latest World Economic Outlook (WEO) of the IMF shows global GDP growth accelerated to around 3.6 percent in 2017 from 3.2 percent in 2016. The stronger momentum experienced in 2017 is expected to carry into 2018 and 2019, with global growth revised up to 3.9 percent for both years (0.2 percentage point higher relative to the fall forecasts).

The growth forecast for the United States has been revised up given stronger than expected activity in 2017, higher projected external demand, and the expected macroeconomic impact of the tax reform, in particular the reduction in corporate tax rates and the temporary allowance for full expensing of investment. Growth rates for many of the euro area economies have been marked up, especially for Germany, Italy, and the Netherlands, reflecting the stronger momentum in domestic demand and higher external demand. The growth forecast for 2018 and 2019 has also been revised up for other advanced economies, reflecting in particular stronger growth in advanced Asian economies, which are especially sensitive to the outlook for global trade and investment.

Protectionist policy adopted by USA and China and rising crude oil prices to the global economy pose a major challenge to the growth forecast including India. Renewed fears of protectionism, retaliatory actions and trade wars pose a major challenge to the global economy, with implications for emerging market economies (EMEs), including India, that are participating in open international trade and relying on foreign capital flows to realise their developmental aspirations.

Economic Overview – Domestic

Introduction of GST, significant steps being undertaken towards resolution of problems associated with non-performing assets of the banks, further liberalization of FDI, etc., strengthens the momentum of reforms. India jumped thirty places to break into the top 100 for the first time in the World Bank's Ease of Doing Business Report (EODB), 2018. The rankings reflect the Government's reform measures on a wide range of indicators.

As per the provisional estimates of Annual National Income 2017-18, released by Central Statistics Office, the growth in GDP (constant prices) for 2017-18 is 6.7 per cent as compared to the growth rate of 7.1 per cent in 2016-17.

The outlook for 2018-19 will be determined by economic policy in the run-up to the next national election. Controlling macro-economic stability and stabilisation of ongoing reforms, speedy Resolution of stressed assets and recapitalisation process and impact of rising crude oil prices will be the key factors which will shape the economic development in the forthcoming year.

Performance of the Banking sector:

The Indian banking industry continued to face challenging times during the year due to the rising NPAs in balance sheets of Public Sector Banks. Decisive action was taken to tackle the Twin Balance Sheet (TBS) challenges. The new Indian Bankruptcy Code (IBC) has provided a resolution framework that will help Corporates clean up their balance sheets and reduce their debts.

The Government of India announced a large recapitalization package (about 1.2 per cent of GDP) to strengthen the balance sheets of the public sector banks (PSBs). Large distressed borrowers are being referenced for resolution under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC). This is expected to improve credit flows further and create demand for fresh investment.

Asset quality pressures have remained elevated during FY 2017-18 due to tepid growth in the economy and low capex demand.

Your Bank was the only Public Sector Bank which has not been recapitalised and has been acknowledged as a sound Public sector Bank by the Hon'ble Finance Minister of India.

Bank was able to grow its Advances sizeably and in turn the Market share of both Deposits and Advances consequently.

Specialised branches catering to the need of Home loans, MSME etc., were opened to extend focused attention for end to end solution with reduced turnaround time.

Bank was also able to surpass all National goals set under Priority sector lending for each category viz, Level of 47.08 per cent (Mandatory 40 per cent) under Priority Sector Advances, 20.91 per cent (18 per cent) in Agriculture, 12.58 per cent (10 per cent) for Advances to weaker sections and 7.87 per cent (7.50 per cent) in lending to Micro Enterprises under MSME.

Bank's Business and Financial Achievements:

Against this backdrop, I would like to give an overview of the Bank's performance in important parameters.

- Bank's Business grew by 17.91 per cent to ₹ 3,71,020/- crore as on 31st March 2018. While Deposits grew by ₹ 25,785 crore or 14.13 per cent to ₹ 2,08,294 crore, Advances grew by 23.14 per cent and stood at ₹ 1,62,726/- crore.
- Operating Profit of the Bank for FY 2017-18 was at ₹5000.99 crore, while Net Profit stood at ₹1258.99 crore.
- Net worth of the Bank increased to ₹15826.98 crore as on 31st March 2018.
- Earnings per share for FY 2017-18 and Book value per share were at ₹26.21 and ₹329.53 respectively. Return on Equity was at 8.27 per cent for FY 2017-18.
- Bank's financial soundness as reflected by the CRAR (Capital to Risk Weighted Assets Ratio) was strong at 12.55 per cent under Basel III as on 31st March 2018.

Way Forward:

As per RBI's Annual Policy statement, economic activity is expected to gather pace in 2018-19, benefitting from a conducive domestic and global environment.

The teething troubles relating to implementation of the GST are receding and credit off-take has improved in the recent period and is becoming increasingly broad based, which augurs well for the manufacturing sector and new investment activity.

With the formalisation of GST, recapitalisation of public sector banks and resolution of distressed assets under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), the business and investment environment is expected to improve. With the Government of India's thrust on rural and infrastructure sectors, the demand is expected to increase in rural areas and also boost the private investment.

Acknowledgements:

I would like to place on record, the unstinted support and guidance from our valued customers without which our sustained quest for excellence would not have yielded the results which Bank achieved. I would also like to acknowledge the support of all other stakeholders and I am grateful to each one of them for their continued cooperation. I wish to sincerely thank all, our valuable shareholders once again for their continued confidence in your Bank.

I would also like to take this opportunity to express my sincere appreciation for the dedicated and commendable efforts of the entire work force of the Bank considering the challenging external environment in which your Bank operated.

We look forward to your continued support and patronage as your Bank embarks on its journey of making the Bank from Good to Great.

With best wishes

Yours sincerely

T C VENKAT SUBRAMANIAN
NON-EXECUTIVE CHAIRMAN